



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 20 मई, 1976

वैशाख 30, 1898 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश सरकार
विधायिका अनुभाग-1

संख्या 2399/17 वि-1--82-76

लखनऊ 20 मई, 1976

अधिसूचना

विविध

'भारत का संविधान' के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित उत्तर प्रदेश बिक्री कर (संशोधन और वैधीकरण) विधेयक, 1976 पर दिनांक 19 मई, 1976 ई० को अनुमति प्रदान की और वह उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 23, 1976 के रूप में सर्वसाधारण को सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश बिक्री-कर (संशोधन और वैधीकरण) अधिनियम, 1976

(उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 23, 1976)

(जैसा कि उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित हुआ।)

उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई० का अप्रति संशोधन करने के लिये

अधिनियम

भारत गणराज्य के सत्ताईसवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है:—

1—यह अधिनियम उत्तर प्रदेश बिक्रीकर (संशोधन और वैधीकरण) अधिनियम, 1976 कहा जायगा।

संक्षिप्त नाम

2—उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई० (जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 3-क में, उपधारा (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रख दी जायगी, अर्थात्:—

उत्तर प्रदेश ऐक्ट
संख्या 15, 1948
की धारा 3-क का
संशोधन

“(1) धारा 3-क या धारा 3-ब में जैसा अन्यथा उपबन्धित है उसके सिवाय, इस अधिनियम के अधीन किसी व्यापारी द्वारा देय कर—

(क) किसी होटल या जलपान-गृह या उसके भाग में कैबरे या फ्लोर-शो की व्यवस्था के साथ उपभोग के लिये प्रस्तुत खाद्य पदार्थों या पेय पदार्थों के सम्बन्ध में विक्रय-धन पर, ऐसी दर पर, जो चालीस प्रतिशत से अधिक न हो, जिसे राज्य सरकार विज्ञप्ति द्वारा घोषित करे, लगाया जायगा; और

(ख) प्रथम अनुसूची के द्वितीय स्तम्भ में विनिर्दिष्ट माल के सम्बन्ध में विक्रय-धन पर, अनुसूची के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट स्थल पर, ऐसी दर पर, जो पन्द्रह प्रतिशत से अधिक न हो, जिसे राज्य सरकार विज्ञप्ति द्वारा घोषित करे, लगाया जायगा और उक्त अनुसूची की किसी प्रविष्टि में समाविष्ट भिन्न-भिन्न माल के सम्बन्ध में भिन्न-भिन्न दरों की घोषणा की जा सकती है :

प्रतिबन्ध यह है कि राज्य सरकार, विज्ञप्ति द्वारा, प्रथम अनुसूची से किसी माल से सम्बन्धित कोई प्रविष्टि निकाल सकती है, और इस प्रकार निकाली गई किसी प्रविष्टि को इसी तरह पूर्ववत् रख सकती है और किसी प्रविष्टि के निकालने या पूर्ववत् रखने को कोई ऐसी विज्ञप्ति के जारी किये जाने पर उक्त अनुसूची, उपधारा (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, तदनुसार संशोधित समझी जायगी।

धारा 3-घ का
संशोधन

3—मूल अधिनियम की धारा 3-घ में, उपधारा (1) में वर्तमान स्पष्टीकरण को पुनः संख्याकित करके स्पष्टीकरण 1 कर दिया जायगा, और तत्पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण 2 बढ़ा दिया जायेगा और सदैव से बढ़ाया गया समझा जायगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण 2—इस उप धारा के प्रयोजनार्थ, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 के अधीन या डिफेन्स एण्ड इन्टरनल सिक्योरिटी आफ इण्डिया क्लेम, 1971 के नियम 114 के अधीन दिये गये किसी आदेश के अनुसरण में खाद्यान्न के क्रय के सम्बन्ध में, जिसमें उद्ग्रहण अंश से अधिक कोई क्रय भी सम्मिलित है, राज्य सरकार या उसके क्रय-अभिकर्ता से किसी व्यापारी द्वारा किया गया प्रथम क्रय ऐसे खाद्यान्न का प्रथम क्रय होगा, और तदनुसार ऐसे व्यापारी पर उस स्थल पर कर लगाया जायगा।”

धारा 3-ङ का
संशोधन

4—मूल अधिनियम की धारा 3-ङ के स्थान पर निम्नलिखित धारा रख दी जायगी, और सदैव से रखी गई समझी जायगी, अर्थात्:—

“3-ङ—प्रत्येक व्यापारी जो 21 मई, 1974 को या इसके पश्चात् किसी रजिस्टर्ड व्यापारी से, उन परिस्थितियों में, जिनमें ऐसे रजिस्टर्ड व्यापारी द्वारा कोई कर देय न हो या रजिस्टर्ड व्यापारी से भिन्न किसी व्यक्ति से कोई कर-योग्य माल खरीदता है तो वह ऐसे माल के क्रय-मूल्य पर, उसी दर पर, जिस पर ऐसे माल के विक्रय-मूल्य पर कर देय होता यदि उपरिलिखित परिस्थितियां विद्यमान न होतीं, कर का देनदार होगा :

प्रतिबन्ध यह है कि यदि माल पर विक्री के केवल एक स्थल पर कर देय हो और यदि ऐसा व्यापारी कर निर्धारक अधिकारी के सन्तोषानुसार यह साबित कर दे कि खरीद गये माल पर कर इस अधिनियम के किसी अन्य उपबन्ध के अधीन पहले ही लग चुका है या लगाया जायगा तो इस धारा के अधीन कोई कर देय न होगा :

प्रतिबन्ध यह भी है कि यदि ऐसे माल का क्रय छठवीं मई, 1975 के पूर्व किया गया हो तो पूर्ववर्ती प्रतिबन्धात्मक खंड का यह अर्थ लगाया जायगा कि शब्द “कर-इस अधिनियम के किसी अन्य उपबन्ध के अधीन” के पश्चात् शब्द “या केन्द्रीय विक्रय-कर अधिनियम, 1956 के अधीन” बढ़ा दिये गये हैं।”

धारा 3-च का
संशोधन।

5—मूल अधिनियम की धारा 3-च में, शब्द “प्रतिबन्ध यह है कि” के स्थान पर निम्न-लिखित रख दिया जायगा और दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से रखा गया समझा जायेगा, अर्थात्:—

“प्रतिबन्ध यह है कि खाद्यान्न की दशा में, किसी ऐसे व्यापारी द्वारा देय अतिरिक्त कर की दर, जिसके, यथास्थिति, कर देय विक्रय-धन या क्रय-धन या दोनों का योग किसी कर-निर्धारण वर्ष में दस करोड़ रुपये से अधिक हो, पांच प्रतिशत होगी:

अग्रेतर प्रतिबन्ध यह है कि”

धारा 3-छ का
संशोधन

6—मूल अधिनियम की धारा 3-छ में, उपधारा (2) के अन्त में, शब्द “या यदि ऐसे विभाग, कम्पनी, निगम या उपक्रम का कोई कार्यालय या अधिष्ठान उत्तर प्रदेश में स्थित न हो,” बढ़ा दिये जायेंगे।

धारा 4 का
संशोधन

7—मूल अधिनियम की धारा 4 में, खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रख दिया जायगा और दिनांक 2 मई, 1974 से रखा गया समझा जायगा, अर्थात्:—

“(क) पानी, दूध, नमक, समाचार-पत्र, संयुक्त प्रान्त मोटर स्प्रिट, डीजल आयल तथा अलकोहल बिक्री कराधान अधिनियम, 1939 में यथा-परिभाषित मोटर स्प्रिट, डीजल आयल और अलकोहल या किसी अन्य माल की बिक्री या खरीद पर, जिसे राज्य सरकार विज्ञप्ति द्वारा छूट दे; या”

8—मूल अधिनियम की धारा 4-ख में,—

धारा 4-ख का संशोधन

(1) उपधारा (1) के खण्ड (क) में, शब्द और अंक "यदि धारा 3-घ के अधीन कर-योग्य कोई माल किसी ऐसे व्यापारी द्वारा खरीदा जाय जो उक्त धारा के अधीन, यथास्थिति, अपने क्रय या प्रथम क्रय के क्रय-घन पर कर का देनदार हो" के स्थान पर शब्द और अंक "यदि धारा 3-घ की उपधारा (1) के अधीन कर-योग्य कोई माल किसी ऐसे व्यापारी द्वारा खरीदा जाय जो उक्त धारा के अधीन, यथास्थिति, क्रय या प्रथम क्रय के क्रय-घन पर कर का देनदार हो या यदि कोई माल किसी व्यापारी द्वारा उन परिस्थितियों में खरीदा जाय जिनमें ऐसा व्यापारी धारा 3-ड के अधीन उसके सम्बन्ध में क्रय-कर का देनदार हो," रख दिये जायेंगे और दिनांक 21 मई, 1974 से रखे गये समझे जायेंगे;

(2) उपधारा (1) के खण्ड (ख) में, शब्द "किसी अन्य धारा के अधीन" के स्थान पर शब्द "इस अधिनियम के किसी अन्य उपबन्ध के अधीन" रख दिये जायेंगे और दिनांक 21 मई, 1974 से रखे गये समझे जायेंगे; और

(3) उपधारा (4) के खण्ड (1) के उप-खण्ड (ग) में, शब्द, कोष्ठक और अंक "उपधारा (3) के अधीन" के स्थान पर शब्द, अंक और अक्षर "धारा 8-ग के अधीन" रख दिये जायेंगे और दिनांक 1 मार्च, 1973 से रखे गये समझे जायेंगे।

9—मूल अधिनियम की धारा 8-क में, उपधारा (1-क) में, खण्ड (ग) और (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रख दिये जायेंगे और दिनांक 1 अप्रैल, 1976 से रखे गये समझे जायेंगे, अर्थात्—

धारा 8-क का संशोधन

"(ग) रजिस्ट्रीकरण के लिये प्रत्येक प्रार्थना-पत्र के सम्बन्ध में, व्यापारी द्वारा पचास रुपये का शुल्क देय होगा। प्रत्येक ऐसे कर-निर्धारण वर्ष या उसके भाग के लिये, जिसके निमित्त नवीकरण कराया जाना है, पच्चीस रुपये का शुल्क देय होगा।

(घ) जो व्यक्ति, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण या नवीकरण के लिये निर्धारित अवधि के भीतर प्रार्थना-पत्र न दे उसे, धारा 14 या धारा 15-क के उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अपेक्षित शुल्क के अतिरिक्त प्रत्येक मास या उसके भाग के लिये, जिसमें व्यक्तिगत पूर्ववत् बना रहे, 25 रुपये का अर्थ-दण्ड देना होगा।"

10—मूल अधिनियम की धारा 8-ख में, उपधारा (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रख दी जायगी और दिनांक 1 अप्रैल, 1976 से रखी गई समझी जायगी, अर्थात्—

धारा 8-ख का संशोधन

"(2) अनन्तिम रजिस्ट्रीकरण के लिये प्रार्थना-पत्र निर्धारित रीति से सत्यापित किया जायगा, और उसके साथ प्रथम कर-निर्धारण वर्ष या उसके भाग के लिये, जिसके निमित्त वह दिया गया हो, पचास रुपये, और प्रत्येक अनुवर्ती कर-निर्धारण वर्ष या उसके भाग के लिये, जिसके निमित्त वह दिया गया हो, पच्चीस रुपये का शुल्क भुगतान करने का सन्तोष-जनक प्रमाण होगा।"

11—मूल अधिनियम की धारा 11 में, उपधारा (1) में, अंक और शब्द "100 रु०" के स्थान पर शब्द "दो सौ रुपये" रख दिये जायेंगे।

धारा 11 का संशोधन

12—मूल अधिनियम की धारा 32 के स्थान पर निम्नलिखित धारा रख दी जायगी, अर्थात्—

धारा 32 का संशोधन

"32—(1) उपधारा (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, धारा 9 के अधीन अपील कतिपय मामलों के ज्ञाप-पत्र और अधिनियम के अधीन अन्य प्रार्थना-पत्रों पर में शुल्क देय शुल्क निम्नलिखित होगा :—

(क) धारा 9 के अधीन अपील के ज्ञाप-पत्र पर विवादग्रस्त कर, शुल्क या अर्थदंड की घनराशि का दो प्रतिशत, किन्तु कम से कम पांच रुपया और अधिक से अधिक दो सौ पचास रुपया।

(ख) धारा 10 के अधीन पुनरीक्षण के लिये प्रार्थना-पत्र पर, जो कर, शुल्क या अर्थ-दण्ड की वसूली के स्थगन के लिये प्रार्थना-पत्र न हो विवादग्रस्त कर, शुल्क या अर्थ-दण्ड की घनराशि का साढ़े सात प्रतिशत, किन्तु कम से कम पन्द्रह रुपया और अधिक से अधिक पांच सौ रुपया।

(ग) धारा 35 के अधीन प्रार्थना-पत्र पर

1 चास रुपया

(घ) किसी अन्य प्रार्थना-पत्र पर:—

(1) जब वह बिक्रीकर कमिश्नर या पुनरीक्षण अधिकारी या किसी अतिरिक्त पुनरीक्षण अधिकारी को सम्बोधित हो तीन रुपया

(2) जब किसी अन्य अधिकारी या प्राधिकारी को सम्बोधित हो दो रुपया

(2) इस धारा में और इस अधिनियम या उसके अधीन बनाये गये नियमों के किसी अन्य उपबन्ध में निर्दिष्ट शुल्क का भुगतान—

(क) उत्तर प्रदेश के किसी खजाने या उप-खजाने या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा में जमा करके किया जायगा, और उस दशा में खजाने के चालान की एक प्रति, जिसमें अपेक्षित शुल्क की जमा धनराशि दिखाई गई हो, ज्ञाप-पत्र या प्रार्थना-पत्र से संलग्न की जायेगी; या

(ख) बैंक या बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जायगा, और उस दशा में उसको खजाने के चालान की तीन प्रतियों के साथ ज्ञाप-पत्र या प्रार्थना-पत्र से संलग्न किया जायगा:

प्रतिबन्ध यह है कि जहां देय शुल्क की धनराशि दस रुपये से अधिक न हो, वहां व्यापारी अपनी स्वेच्छा से उसका भुगतान, यथास्थिति, ज्ञाप-पत्र या प्रार्थना-पत्र पर न्यायालय फीस स्टाम्प लगाकर कर सकता है।

(3) निम्नलिखित के संबंध में कोई शुल्क देय न होगा—

(क) बिक्रीकर कमिश्नर या इस अधिनियम या इसके अधीन बनाये गये नियमों के अधीन नियुक्त किसी अन्य अधिकारी या प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रार्थना-पत्र; और

(ख) ऐसा प्रार्थना-पत्र जिसमें केवल सूचना मांगी गई हो, और जिसमें किसी विनिर्दिष्ट अनुतोष की प्रार्थना न की गई हो।

नई धारा 35 का
बढ़ाया जाना

13—मूल अधिनियम की धारा 34 के पश्चात् निम्नलिखित धारा बढ़ा दी जायेगी,
अर्थात्:—

“35—(1) यदि न्यायालय के समक्ष अथवा धारा 7 या 21 के अधीन कर-निर्धारक विवादग्रस्त प्रश्नों का अधिकारी के समक्ष विचाराधीन कार्यवाही से अन्यत्र कोई प्रश्न अवधारण उत्पन्न होता है कि क्या, इस अधिनियम के प्रयोजनार्थ,—

(क) कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का संघ, सोसाइटी, क्लब, फर्म, कम्पनी, निगम, उपक्रम या सरकारी विभाग व्यापारी है; या

(ख) किसी माल के प्रति किया गया कोई कार्य-विशेष स्वतः या परिणामतः माल का निर्माण, उस शब्द के अर्थानुसार है; या

(ग) कोई संव्यवहार विक्रय या क्रय है और यदि हां, तो उसका विक्रय या क्रय मूल्य, यथास्थिति, क्या है; या

(घ) किसी व्यापारी-विशेष से रजिस्ट्रीकरण कराना या उसके नवीकरण के लिये प्रार्थना-पत्र देना अपेक्षित है; या

(ङ) किसी विक्रय या क्रय-विशेष के सम्बन्ध में कर देय है और यदि हां, तो उसकी दर क्या है;

तो संबंधित व्यक्ति या व्यापारी, धारा 32 में विनिर्दिष्ट शुल्क जमा करके, ऐसे लेख्यों सहित जो निर्धारित किये जायें, बिक्रीकर कमिश्नर को प्रार्थना-पत्र दे सकता है।

(2) बिक्रीकर कमिश्नर, प्रार्थी को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, इस प्रकार उत्पन्न प्रश्न को, जैसा वह उचित समझे, विनिश्चित करेगा:

प्रतिबन्ध यह है कि ऐसा विनिश्चय देने के पूर्व बिक्रीकर कमिश्नर स्व-विवेकानुसार अपने अधीनस्थ अधिकारी से ऐसी जांच करने के लिये कह सकता है जिसे वह उस प्रश्न के विनिश्चय के लिये आवश्यक समझे।

(3) इस धारा के अधीन बिक्रीकर कमिश्नर के विनिश्चय से किसी कर निर्धारक अधिकारी, अपील सुनने वाले अधिकारी या पुनरीक्षण अधिकारी द्वारा पहले दिये गये किसी आदेश की विधिमान्यता या उसके प्रवर्तन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(4) कोई प्रश्न, जो अधिनियम के अधीन किसी प्राधिकारी द्वारा प्रार्थी के मामले में दिये गये पूर्ववर्ती आदेश से उत्पन्न हो, इस धारा के अधीन अवधारण के लिये ग्रहण नहीं किया जायगा।

(5) इस धारा के अधीन विक्रीकर कमिश्नर द्वारा दिया गया कोई विनिश्चय; उच्च-न्यायालय की अपील के अधीन रहते हुये, अन्तिम होगा।

(6) इस धारा के अधीन दिये गये विनिश्चय की एक प्रति प्रार्थी और सम्बद्ध कर-निर्धारक अधिकारी को भेजी जायेगी।

14—मूल अधिनियम की प्रथम अनुसूची में—

प्रथम अनुसूची का संक्षेप

(1) क्रम-संख्या 26, 32, 39, 62 और 112 के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रख दी जायेंगी, अर्थात् :—

क्रम-संख्या	माल का विवरण	स्थल जिस पर कर लगेगा
1	2	3
26	चेहरा, त्वचा, बाल, नाखून, नेत्र या भौंह की शोभा या देखभाल के लिये सभी प्रकार की सौन्दर्यवर्धक एवं प्रसाधन सामग्री, किन्तु इसमें साबुन, सफटीरेजर ब्लेड, टूथपेस्ट, टूथ पाउडर और अन्य मंजत, टूथब्रश और कुम-कुम सम्मिलित नहीं हैं।	नि० अथवा ग्रा०
32	समस्त विजली का सामान, यंत्र, उपकरण, साधित और समस्त ऐसी वस्तुयें जिनका प्रयोग विद्युत शक्ति के बिना नहीं हो सकता है और जिसके अन्तर्गत पंखा, प्रतिदीप्त द्युब (जिसके अन्तर्गत इनके स्टार्टर, चोक, फिक्सचर, फिटिंग्स और सम्बद्ध सामान भी हैं), विजली के मृत्तिका पात्र और पोर्सिलेन और अन्य सम्बद्ध सामान और सहयोगी भाग हैं, जो चाहे पूर्णतः या अंशतः बेचे जाते हैं, किन्तु इसमें विद्युत शक्ति के जनन, वितरण और पारेषण के लिये अपेक्षित विजली की सज्जा, संयंत्र और उनके सम्बद्ध सामान, इलेक्ट्रिक मोटर और उसके भाग, टार्च, टार्चसेल, टार्च बल्ब, ड्राई सेल बैटरी और फिलामेन्ट लाइटिंग बल्ब सम्मिलित नहीं हैं।	नि० अथवा ग्रा०
39	कांच के बने समस्त सामान और बर्तन, किन्तु इसके अन्तर्गत सादा कांच फलक, चश्मों के शीशे, हरीकेन लालटेन की चिमनी, बोतल और शीशी, कांच की गुरियाँ (बीड्स), क्लिनिकल सिरिज, थर्मामीटर और कांच के बने वैज्ञानिक यंत्र और उपकरण सम्मिलित नहीं हैं।	नि० अथवा ग्रा०
62	(क) मोटर कार	उपभोक्ता के हाथ विक्री अथवा उपभोक्ता द्वारा क्रय के लिये वित्त व्ययस्था करने वाली क्रय-विक्रय कम्पनी के हाथ विक्री।
	(ख) मोटर ट्रक और मोटर बस जिसके अन्तर्गत उनके चैसिस और उन पर बनाई गई मोटर वाडीज भी हैं।	तदेव
	(ग) सभी मोटर गाड़ियाँ जिसके अन्तर्गत उनके चैसिस भी हैं, और सभी आकार और डिजाइन की मोटर वाडीज (जिसके अन्तर्गत मोटर कारवां और टैकर भी हैं), चाहे वे चैसिस पर बने हों या अलग से।	तदेव
112	(क) इलेक्ट्रानिक का सामान, सज्जा, उपकरण और उनके भाग तथा सम्बद्ध सामान किन्तु इसमें टेलीविजन सेट सम्मिलित नहीं हैं।	नि० अथवा ग्रा०
	(ख) टेलीविजन सेट	नि० अथवा ग्रा०

(2) क्रम-संख्या 89 के सामने स्तम्भ 2 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा और दिनांक 2 मई, 1974 से रखा गया समझा जायगा, अर्थात् :—

“सभी प्रकार की स्प्रेट और स्प्रेटमय शराब, जिसमें मेथाइल अल्कोहल सम्मिलित है किन्तु देशी शराब सम्मिलित नहीं है और जिसमें संयुक्त प्रान्त मोटर स्प्रेट, डीजल ग्रायल तथा अल्कोहल करधान अधिनियम, 1939 में यथापरिभाषित अल्कोहल भी नहीं है।”

कल्पित्य निरुद्धों
का संशोधन

15—उत्तर प्रदेश बिक्री कर नियम, 1948 ई 0 में,—

(1) नियम 12-क में, उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा, अर्थात् :—

“(4) कोई सादा रूप-पत्र तब तक जारी नहीं किया जायेगा जब तक कि व्यापारी द्वारा 25 रूप-पत्रों की प्रति पुस्तिका के लिये 3.75 रुपये या प्रति रूप-पत्र के लिये 15 पैसे की दर से शुल्क का भुगतान न कर दिया गया हो।”

(2) नियम 12-ख में, उप नियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा, अर्थात् :—

“(3) कोई सादा रूप-पत्र तब तक जारी नहीं किया जायगा जब तक कि व्यापारी द्वारा 50 रूप-पत्रों की प्रति पुस्तिका के लिये 7.50 रुपये या प्रति रूप-पत्र के लिये 15 पैसे की दर से शुल्क का भुगतान न कर दिया गया हो।”

(3) नियम 19 के खण्ड (क) में, शब्द “सरकारी खजाने में चालान के सहित” निकाल दिये जायेंगे;

(4) नियम 20-ख में—

(क) शब्द ‘खजाने का ऐसा चालान भी होगा’ के स्थान पर शब्द ‘ऐसा प्रमाण भी होगा’ रख दिये जायेंगे; तथा

(ख) खण्ड (ख) में, शब्द “खजाने का चालान भी होगा” के स्थान पर शब्द “ऐसा प्रमाण भी होगा” रख दिये जायेंगे;

(5) नियम 25-क में,—

(क) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा और दिनांक 1 अप्रैल, 1976 से रखा गया समझा जायगा, अर्थात् :—

“(3) उपनियम (1) के अधीन मान्यता का प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के लिये प्रत्येक प्रार्थना-पत्र के सम्बन्ध में 50 रुपये का शुल्क देय होगा, और प्रत्येक कर-निर्धारण वर्ष या उसके भाग के लिये, जिसके निमित्त मान्यता को नवीकृत कराना है, 25 रुपये का शुल्क देय होगा।”

(ख) उपनियम (5) में, अन्त में आये हुए पूर्ण विराम के स्थान पर अल्प विराम रख दिया जायगा और उसके पश्चात् निम्नलिखित बढ़ा दिया जायगा, अर्थात् :—

“और उस कर-निर्धारण वर्ष के, जिसमें वह जारी किया जाय, अन्त तक प्रभावी होगा। यदि व्यापारी उसका नवीकरण कराना चाहता है तो वह उसकी समाप्ति के दिनांक के पूर्व उप-नियम (1) के अनुसार प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करेगा जिसके साथ उप-नियम (3) में निर्धारित शुल्क जमा करने का संतोषजनक प्रमाण होगा। यदि बिक्री कर अधिकारी का समाधान हो जाये कि प्रार्थना-पत्र नियमानुसार है और शुल्क जमा कर दिया गया है तो वह एक बार में तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिये, जैसी नवीकरण के प्रार्थना-पत्र में उल्लिखित हो, प्रमाण-पत्र का नवीकरण करेगा।”

(ग) उपनियम (11) में, शब्द और अंक “5 रुपये” के स्थान पर शब्द और अंक “10 रुपये” रख दिये जायेंगे;

(6) नियम 25-ख में, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा, अर्थात् :—

“(2) कोई व्यापारी, जिसके पास मान्यता का प्रमाण-पत्र हो और जो द्वारा 4-ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) में निर्दिष्ट रियायत लेना चाहता हो, उस बिक्री कर अधिकारी को, जिसके क्षेत्राधिकार के भीतर उसके व्यापार का मुख्य स्थान स्थित हो, घोषणा का सादा प्रपत्र जारी करने के लिये प्रार्थना-पत्र देगा। बिक्री कर अधिकारी द्वारा घोषणा का सादा प्रपत्र तब तक जारी नहीं किया जायगा जब

तक कि उसके 25 प्रपत्रों की प्रति पुस्तिका के लिये 3.75 रुपये या प्रति प्रपत्र के लिये 15 पैसे की दर से शुल्क का भुगतान न कर दिया गया हो। प्रार्थना-पत्र पर नियम 25-क के उप नियम (1) में उल्लिखित किसी एक व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जायेगा।”;

(7) नियम 41 में, उपनियम (1) में निम्नलिखित द्वितीय प्रतिबन्धात्मक खण्ड बढ़ा दिया जायगा, अर्थात् :—

“अग्रतर प्रतिबन्ध यह है कि यद्योक्त विवरण-पत्र प्रस्तुत करने के बजाय व्यापारी, ठीक पहले वाले वर्ष में अपने विवरण पत्र में स्वीकृत विक्रय धन के आधार पर, उस वर्ष का विक्रय धन अनुमानित कर सकता है, उस पर देय कर की धनराशि आकलित कर सकता है और प्रत्येक तिमाही के प्रथम दो मास में प्रत्येक मास में उसके बारहवें भाग के बराबर धनराशि जमा कर सकता है, तथा प्रसंगोचित तिमाही के लिये अपने विवरण-पत्र में, जो इस उप-नियम में व्यवस्थित रीति से तैयार और प्रस्तुत किया जायगा, स्वीकृत विक्रय-धन पर देय कर का अवशिष्ट भाग जमा कर सकता है।”;

(8) नियम 46-क में, शब्द और अंक “1 रु 25 पैसे” के स्थान पर शब्द ‘दो रुपये’ रख दिये जायेंगे;

(9) नियम 46-ख में, शब्द और अंक “1 रु 0” के स्थान पर शब्द “दो रुपये” रख दिये जायेंगे;

(10) नियम 54 में, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा, अर्थात् :—

“(2) प्रत्येक प्रार्थना-पत्र के साथ अधिनियम में विनिर्दिष्ट शुल्क और अर्थ-वण्ड, जहाँ देय हो, जमा करने का संतोषजनक प्रमाण होगा।”;

(11) नियम 58 में, उपनियम (1) में, शब्द और अंक “और खजाने का चालान संलग्न होगा, जिससे ज्ञात हो कि 10 रु 0 का शुल्क खजाने में जमा कर दिया गया है” के स्थान पर शब्द “और शुल्क जमा करने का संतोषजनक प्रमाण होगा” रख दिये जायेंगे;

(12) नियम 61 में शब्द और अंक “जिसके साथ खजाने का चालान इस बात का भेजा जायगा कि सरकारी खजाने में 2 रुपये का शुल्क जमा कर दिया गया है” के स्थान पर शब्द और अंक “जिसके साथ 10 रु 0 का शुल्क जमा करने का संतोषजनक प्रमाण होगा” रख दिये जायेंगे;

(13) नियम 63 निकाल दिया जायगा;

(14) नियम 70 में, उपनियम (2) में; शब्द और अंक “1 रु 0 25 पैसे” के स्थान पर शब्द “दो रुपये” रख दिये जायेंगे;

(15) नियम 77-ग में,—

(क) उप-नियम (1) में, शब्द “पच्चीस नये पैसे” के स्थान पर शब्द “एक रुपये” रख दिये जायेंगे; और

(ख) उप-नियम (3) में, शब्द “पचास नये पैसे” के स्थान पर शब्द “एक रुपये” रख दिये जायेंगे;

(16) नियम 85 के उप नियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा; अर्थात् :—

“(3) विक्रीकर अधिकारी द्वारा कोई सादा घोषणा-पत्र तब तक जारी नहीं किया जायगा जब तक कि प्रति प्रपत्र के लिये पन्द्रह पैसे या 50 प्रपत्रों की एक पुस्तिका के लिये 7.50 रुपये की दर से शुल्क का भुगतान नहीं कर दिया गया हो। प्रार्थना-पत्र पर नियम 54 के उप नियम (1) में उल्लिखित व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति या नियम 77-क के अधीन यथाविधि प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जायगा।”

(17) नियम 86 के उप नियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा, अर्थात् :—

“(3) कोई प्रमाण-पत्र तब तक नहीं दिया जायगा जब तक कि प्रति प्रमाण-पत्र के लिये बीस पैसे का शुल्क का भुगतान न कर दिया जाय।”

कतिपय विज्ञप्तियों
का संशोधन और
वैधीकरण

16--(1) मूल अधिनियम की धारा 4 के अधीन अपने अधिकारों का प्रयोग करके राज्य सरकार द्वारा जारी की गयी सरकारी विज्ञप्ति संख्या एस0 टी0-2-6623/दस-1012-1972, दिनांक 1 दिसम्बर, 1973 में, शब्द "(1) पुस्तकें तथा पत्रिकायें; और (2) कापियां (Exercise Book) यदि वे उत्तर प्रदेश में खरीदे गये कागज से बनाई गई हों, वशत कि व्यापारी कर निर्धारक अधिकारी के सन्तोषानुसार उसका प्रमाण प्रस्तुत कर दे" के स्थान पर "पुस्तकें तथा पत्रिकायें" रख दिये जायें और सदैव से रखे गये समझे जायेंगे।

(2) मूल अधिनियम की धारा 3-क के अधीन अपने अधिकारों का प्रयोग करके राज्य सरकार द्वारा जारी की गई सरकारी विज्ञप्ति संख्या एस0 टी0-2-6624/दस-1012-1972, दिनांक 1 दिसम्बर, 1973 में, उसकी सूची की क्रम संख्या 4 के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायगा और सदैव से रखा गया समझा जायगा, अर्थात्:--

"4 कापियां-----5 प्रतिशत"

(3) उत्तर प्रदेश बिक्री-कर (संशोधन और वैधीकरण) अधिनियम, 1976 के प्रारम्भ के पूर्व इस धारा द्वारा यथासंशोधित उपधारा (2) में निर्दिष्ट विज्ञप्ति के अधीन आरोपित, निर्धारित, उद्गृहीत या वसूल किया गया कोई कर, किसी न्यायालय या प्राधिकारी के किसी निर्णय, डिक्री या आदेश के होते हुए भी, विधि के अनुसार विधिमन्यतः आरोपित, निर्धारित, उद्गृहीत या वसूल किया गया समझा जायगा, मानो इस धारा द्वारा यथासंशोधित उपर्युक्त विज्ञप्ति सभी सारभूत समय पर प्रवृत्त थी जब ऐसा कर आरोपित, निर्धारित, उद्गृहीत या वसूल किया गया था।

वैधीकरण

17--किसी न्यायालय या प्राधिकारी के किसी निर्णय, डिक्री या आदेश के होते हुए भी, अधिनियम के प्रारम्भ के पूर्व किया गया कोई कार्य या की गई कोई कार्यवाही (जिसमें जारी की गई कोई विज्ञप्ति भी सम्मिलित है), जो इस अधिनियम द्वारा यथासंशोधित मूल अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो, वैसे ही वैध और विधिपूर्ण होगी, मानो इस अधिनियम के उपबन्ध सभी सारभूत समय पर प्रवृत्त थे।

No. 2309 (2) /XVII-V-1-82-76

Dated Lucknow, May 20, 1976

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Bikri Kar (Sanshodhan Aur Vaidhikaran) Adhiniyam, 1976 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 23 of 1976) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on May 19, 1976 :

THE UTTAR PRADESH SALES TAX (AMENDMENT AND VALIDATION) ACT, 1976

[U. P. Act no. 23 of 1976]

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature)

AN
ACT

U. P. Act no.
XV of 1948.

further to amend the U. P. Sales Tax Act, 1948.

IT IS HEREBY enacted in the Twenty-seventh Year of the Republic of India as follows :

Short title.

1. This Act may be called the Uttar Pradesh Sales Tax (Amendment and Validation) Act, 1976.

Amendment of
section 3-A of
U. P. Act no.
XV of 1948.

2. In section 3-A of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (hereinafter referred to as the principal Act), for sub-section (1), the following sub-section shall be substituted, namely:--

"(1) Except as otherwise provided in section 3-AA or section 3-D, the tax payable by a dealer under this Act shall be levied,--

(a) on the turnover in respect of any food or drink served for consumption in a hotel or restaurant or part thereof, with which a cabaret or floor show is provided therein, at such rate, not exceeding forty per cent, as the State Government may, by notification, declare; and

(b) on the turnover in respect of the goods specified in the second column of the First Schedule, at the point specified in the third column thereof, at such rate, not exceeding fifteen per cent, as the State Government may, by notification, declare, and different rates may be declared in respect of the different goods comprised in any entry in the said Schedule :

Provided that the State Government may, by notification, omit the entry relating to any goods from the First Schedule, and may in the like manner restore any entry so omitted and upon the issue of any such notification omitting or restoring any entry, the said Schedule shall, subject to the provisions of sub-section (3), be deemed to be amended accordingly."

3. In section 3-D of the principal Act, in sub-section (1), the existing Explanation shall be re-numbered as Explanation I, and thereafter the following Explanation II shall be inserted and be deemed always to have been inserted, namely :—

Amendment of section 3-D.

"Explanation II—For the purposes of this sub-section, in relation to purchases of foodgrains in pursuance of any order made under section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 or under rule 114 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, including any purchase in excess of the levy share, the purchase first made by a dealer from the State Government or its purchasing agent shall be the first purchase of such foodgrains and the tax shall accordingly be levied at that point on such dealer."

4. For section 3-E of the principal Act, the following section shall be substituted, and be deemed always to have been substituted, namely :—

Amendment of section 3-E.

"3-E. Every dealer, who on or after the twenty-first day of May, 1974, purchases any goods subject to sales tax from a registered dealer in circumstances in which no tax is payable by such registered dealer or from a person other than a registered dealer, shall be liable to pay tax on the purchase price of such goods at the same rate at which, but for the existence of the aforementioned circumstances, the tax would have been leviable on the sale price of such goods :

Provided that if the goods are liable to tax at only one point of sale and if such dealer proves to the satisfaction of the assessing authority that the goods purchased have already been subjected to tax or will be subjected to tax under any other provision of this Act, no tax under this section shall be payable :

Provided further that where purchase of such goods was made before the twenty-sixth day of May, 1975, the preceding proviso shall be so construed as if after the words "tax under any other provision of this Act," the words "or under the Central Sales Tax Act, 1956" were inserted.

5. In section 3-F of the principal Act, for the words "Provided that", the following shall be substituted and be deemed with effect from the first day of April, 1975 to have been substituted, namely :—

Amendment of section 3-F.

"Provided that in the case of foodgrains, the rate of additional tax payable by any dealer, the aggregate of whose turnover or turnover of purchases or both, as the case may be, liable to tax, exceeds rupees ten crores in an assessment year, shall be five per cent :

Provided further that "

6. In section 3-G of the principal Act, in sub-section (2), at the end, the words "or if such department, company, corporation or undertaking has no office or establishment situated in Uttar Pradesh" shall be inserted.

Amendment of section 3-G.

7. In section 4 of the principal Act, for clause (a), the following clause shall be substituted and be deemed to have been substituted with effect from the second day of May, 1974, namely :—

Amendment of section 4.

"(a) the sale or purchase of water, milk, salt, newspapers, motor spirit, diesel oil or alcohol as defined in the United Provinces Sales of Motor Spirit, Diesel Oil and Alcohol Taxation Act, 1939 or any other goods which the State Government may, by notification exempt ; or"

Amendment of
section 4-B.

8. In section 4-B of the principal Act,—

(1) in clause (a) of sub-section (1), for the words and figures “where any goods liable to tax under section 3-D are purchased by a dealer who is liable to tax on the turnover of his purchases or first purchases, as the case may be, under that section”, the words and figures “where any goods liable to tax under sub-section (1) of section 3-D are purchased by a dealer who is liable to tax on the turnover of purchases or first purchases, as the case may be, under that sub-section or where any goods are purchased by any dealer in circumstances in which such dealer is liable to purchase tax in respect thereof under section 3-E” shall be *substituted* and be deemed to have been *substituted* with effect from the twenty-first day of May, 1974;

(2) in clause (b) of sub-section (1), for the words “under any other section”, the words “under any other provision of this Act” shall be *substituted* and be deemed to have been *substituted* with effect from the twenty-first day of May, 1974; and

(3) in sub-clause (c) of clause (i) of sub-section (4), for the words, brackets and figures “under sub-section (3)”, the words, figure and letter “under section 3-C” shall be *substituted* and be deemed to have been *substituted* with effect from the first day of March, 1973.

Amendment of
section 8-A.

9. In section 8-A of the principal Act, in sub-section (1-A), for clauses (c) and (d), the following clauses shall be *substituted*, and be deemed to have been *substituted* with effect from the first day of April, 1976, namely :—

“(c) In respect of every application for registration, a fee of rupees fifty shall be payable by the dealer. A fee of rupees twenty-five shall be payable for every assessment year or part thereof for which registration is sought to be renewed.

“(d) A person failing to apply within the period prescribed for registration or renewal, as the case may be, shall, without prejudice to the provisions of section 14 or section 15-A, pay, in addition to the requisite fee, a penalty of Rs.25 for every month or part thereof during which the default continues.”

Amendment of
section 8-B.

10. In section 8-B of the principal Act, for sub-section (2), the following sub-section shall be *substituted* and be deemed to have been *substituted* with effect from the first day of April, 1976, namely :—

“(2) The application for provisional registration shall be verified in the prescribed manner, and shall be accompanied by satisfactory proof of the payment of a fee of rupees fifty for the first assessment year or part thereof, and rupees twenty-five for every subsequent assessment year or part thereof, for which it has been made.”

Amendment of
section 11.

11. In section 11 of the principal Act, in sub-section (1), for the words “One hundred rupees”, the words “two hundred rupees” shall be *substituted*.

Amendment of
section 32.

12. For section 32 of the principal Act, the following shall be *substituted*, namely :—

“32. (1) Subject to the provisions of sub-section (3), the fee payable on a memorandum of appeal under section 9 and other applications under this Act shall be as follows :

(a) On a memorandum of appeal under section 9

Two per cent of the amount of tax, fee or penalty in dispute, subject to a minimum of five rupees and a maximum of two hundred and fifty rupees.

(b) On an application for revision under section 10, not being an application for stay of realisation of tax, fee or penalty

Seven and a half per cent of the amount of tax, fee or penalty in dispute, subject to a minimum of fifteen rupees and a maximum of five hundred rupees.

(c) On an application under section 35

Fifty Rupees.

(d) On any other application :—

(i) When addressed to the Commissioner of Sales Tax or the Revising Authority or any Additional Revising Authority Three Rupees.

(ii) When addressed to any other officer or authority Two Rupees.

(2) The fee referred to in this section and in any other provision of this Act or the Rules made thereunder shall be payable—

(a) by deposit into a treasury or sub-treasury or a branch of the State Bank of India in Uttar Pradesh, in which case a copy of the treasury chalan showing deposit of the requisite amount of fee shall be attached to the memorandum or application ; or

(b) by cheque or bank draft, in which case it shall, along with treasury chalan in triplicate, be enclosed with the memorandum or application :

Provided that where the amount of fee payable does not exceed ten rupees, the same may at the option of the dealer be paid by affixing court fee stamps on the memorandum or application, as the case may be.

(3) No fee shall be payable in respect of—

(a) an application presented by the Commissioner of Sales Tax or any other officer or authority appointed under this Act or the Rules made thereunder ; and

(b) an application in which only information is sought and in which no specific relief is prayed for."

13. After section 34 of the principal Act, the following section shall be inserted, namely :—

Insertion of new section 35.

"35. (1) In any question arises, otherwise than in a proceeding pending before a court or before an assessing authority under section 7 or section 21, whether, for the purposes of this Act,—

Determination of disputed questions.

(a) any person or association of persons, society, club, firm, company, corporation, undertaking or Government Department is a dealer ; or

(b) any particular thing done to any goods amounts to or results in the manufacture of goods within the meaning of that term ; or

(c) any transaction is a sale or purchase and, if so, the sale or purchase price, as the case may be, therefor ; or

(d) any particular dealer is required to obtain, or to apply for the renewal of, registration ; or

(e) any tax is payable in respect of any particular sale or purchase and, if so, the rate thereof,

the person or the dealer concerned may, after depositing the fee specified in section 32, submit an application to the Commissioner of Sales Tax, alongwith such documents as may be prescribed.

(2) The Commissioner of Sales Tax shall, after giving the applicant an opportunity of being heard, decide as he deems fit the question so arising :

Provided that, before giving such decision, the Commissioner of Sales Tax may, in his discretion, ask an officer subordinate to him to make such inquiries as he considers necessary for the decision of the question.

(3) No decision of the Commissioner of Sales Tax under this section shall affect the validity or operation of any order passed earlier by any assessing authority, appellate authority or revising authority.

(4) No question which arises from an order already passed, in the case of the applicant, by any authority under this Act shall be entertained for determination under this section.

(5) A decision given by the Commissioner of Sales Tax under this section shall, subject to an appeal to the High Court, be final.

(6) A copy of the decision given under this section shall be sent to the applicant and to the assessing authority concerned."

Amendment of
the First Schedule.

14. In the First Schedule to the principal Act,—

(1) for the entries against serial numbers 26, 32, 39, 62 and 112, the following shall be *substituted*, namely:—

Sl. no.	Description of goods	Point of tax
I	II	III
26	All kinds of cosmetics and toilet preparations for beautification or care of the face, skin, hair, nails, eyes or brows, but not including soaps, safety razor blades, tooth pastes, tooth powders and other dentifrices, tooth brushes and <i>kumkum</i> .	M or I
32	All electrical goods, instruments, apparatus, appliances and all such articles the use of which cannot be had except with the application of electrical energy, including fans, fluorescent tubes (including their starters, chokes, fixtures, fittings and accessories), electrical earthenware and porcelain and all other accessories and component parts, whether sold as a whole or in parts, but excluding electrical equipment, plants and their accessories required for generation, distribution and transmission of electrical energy, electric motors and parts thereof, torches, torch-cells, torch bulbs, dry cell batteries and filament lighting bulbs.	M or I
39	All goods and wares made of glass, but not including plain glass-panes, optical lenses, hurricane lantern chimneys, bottles and phials, glass-beads, clinical syringes, thermometers, and scientific apparatus and instruments made of glass.	M or I
62	(a) Motor cars ..	Sale to consumer or Hire purchase company financing the purchase by the consumer.
	(b) Motor trucks and motor buses, including their chassis and motor bodies built thereon.	Ditto.
	(c) All other motor vehicles including their chassis and motor bodies of all shapes and designs (including motor caravans and tankers), whether built on chassis or separately.	Ditto.
112	(a) Electronic goods, equipment, appliances, and parts and accessories thereof, but not including Television sets.	M or I
	(b) Television Sets	M or I.

(2) for the entry in column II against serial number 89, the following shall be *substituted* and be deemed to have been *substituted* with effect from the second day of May, 1974, namely:—

"Spirits and spirituous liquors of all kinds, including methyl alcohol, but excluding country liquor and also excluding alcohol as defined in the United Provinces Sales of Motor Spirit, Diesel Oil and Alcohol Taxation Act, 1939."

15. In the U. P. Sales Tax Rules, 1948 :—

Amendment of certain rules.

(1) in rule 12-A, for sub-rule (4), the following shall be substituted, namely :—

“(4) No blank form shall be issued except on payment of fee by the dealer at the rate of Rs.3.75 per book of 25 forms or fifteen paise per form.”

(2) in rule 12-B, for sub-rule (3), the following shall be substituted, namely :—

“(3) No blank form shall be issued except on payment of fee by the dealer at the rate of Rs.7.50 per book of 50 forms or fifteen paise per form.”

(3) in clause (a) of rule 19, the words “in treasury along with chalans” shall be omitted;

(4) in rule 20-B,—

(a) in clause (a), for the words “by a treasury chalan showing deposit”, the words “by satisfactory proof of deposit” shall be substituted; and

(b) in clause (b), for the words “by a treasury chalan showing deposit”, the words “by satisfactory proof of deposit” shall be substituted;

(5) in rule 25-A,—

(a) for sub-rule (3), the following shall be substituted and be deemed to have been substituted with effect from the first day of April, 1976, namely :—

“(3) A fee of Rs.50 shall be payable in respect of every application for issue of recognition certificate under sub-rule (1), and a fee of Rs.25 shall be payable for every assessment year or part thereof for which recognition is sought to be renewed.”

(b) in sub-rule (5), for the full stop at the end, a comma shall be substituted and the following shall thereafter be inserted, namely :—

“and shall be effective till the end of the assessment year in which it is issued. If the dealer wishes to get it renewed, he shall submit an application in accordance with sub-rule (1) before the date of its expiry, accompanied by satisfactory proof of deposit of the fee prescribed in sub-rule (3). If the Sales Tax Officer is satisfied that the application is in order and the fee has been deposited, he shall renew the certificate for such period, not exceeding three years at a time, as may be stated in the application for renewal.”

(c) in sub-rule (11), for the word and figure “Rs.5”, the word and figure “Rs.10” shall be substituted;

(6) in rule 25-B, for sub-rule (2), the following shall be substituted, namely :—

“(2) A dealer holding a recognition certificate who wishes to avail of the concession referred to in clause (b) of sub-section (1) of section 4-B, shall apply to the Sales Tax Officer within whose jurisdiction his principal place of business is situate for the issue of blank Declaration Forms. No blank Declaration Forms shall be issued by the Sales Tax Officer except on payment of fee by the dealer at the rate of Rs.3.75 per book of 25 forms or 15 paise per form. The application shall be signed by one of the persons mentioned in sub-rule (1) of rule 25-A.”

(7) in rule 41, in sub-rule (1), the following second proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that the dealer may, instead of submitting a return as aforesaid, estimate his turnover for the year on the basis of the turnover admitted by him in his return for the immediately preceding year, calculate the amount of tax payable thereon and deposit a sum equal to one-twelfth thereof during each of the first two months of every quarter, and deposit the balance of tax due on the turnover admitted by him in his return for the relevant quarter which shall be prepared and submitted in the manner laid down in this sub-rule.”

(8) in rule 46-A, for the words and figures "Rs.1 and 25 paise", the words "two rupees" shall be substituted;

(9) in rule 46-B, for the word and figure "Re.1", the words "two rupees" shall be substituted;

(10) in rule 54, for sub-rule (2), the following shall be substituted, namely:—

"(2) Each application shall be accompanied by satisfactory proof of deposit of fee and penalty specified in this Act, where payable";

(11) in rule 58, in sub-rule (1), for the words and figures "and a treasury chalan showing deposit of a fee of Rs.10 into the treasury", the words "and satisfactory proof of deposit of fee" shall be substituted;

(12) in rule 61, for the words and figure "which shall be accompanied by a treasury chalan showing the deposit of a fee of Rs.2 in the treasury", the words and figure "which shall be accompanied by satisfactory proof of deposit of a fee of Rs.10" shall be substituted;

(13) rule 63 shall be omitted;

(14) in rule 70, in sub-rule (2), for the words and figures "Rs.1 and 25 paise", the words "two rupees" shall be substituted;

(15) in rule 77-C,—

(a) in sub-rule (1), for the words "twenty five paise", the words "one rupee" shall be substituted; and

(b) in sub-rule (3), for the words "fifty paise", the words "one rupee" shall be substituted;

(16) for sub-rule (3) of rule 85, the following shall be substituted, namely:—

"(3) No blank declaration forms shall be issued by the Sales Tax Officer except on payment of a fee of fifteen paise per form or Rs.7.50 per book of 50 forms. The application shall be signed by one of the persons mentioned in sub-rule (1) of rule 54 or a person duly authorised under rule 77-A."

(17) for sub-rule (3) of rule 86, the following shall be substituted, namely:—

"(3) No certificate shall be issued except on payment of a fee of twenty paise per certificate."

Amendment and
validation of
certain [notifi-
cations.

16. (1) In Government notification no. ST-II-6623/X-1012-1972, dated December 1, 1973, issued by the State Government in exercise of its powers under section 4 of the principal Act, for the words "in respect of—(i) books and magazines, and (ii) exercise books, if made from paper purchased within Uttar Pradesh, provided proof thereof is furnished by the dealer to the satisfaction of the assessing authority", the words "in respect of books and magazines" shall be substituted and be deemed always to have been substituted.

(2) In Government notification no. ST-II-6624/X-1012-1972, dated December 1, 1973, issued by the State Government in exercise of its powers under section 3-A of the principal Act, for the entries against serial no. 4 of the List therein, the following shall be substituted, and be deemed always to have been substituted, namely:—

"4. Exercise Books

5 per cent".

(3) Notwithstanding any judgment, decree or order of any Court or authority, any tax imposed, assessed, levied or collected before the commencement of the Uttar Pradesh Sales Tax (Amendment and Validation) Act, 1976 under the notification referred to in sub-section (2) as amended by this section, shall be deemed to have been validly imposed, assessed, levied or collected in accordance with law, as if the aforesaid notification, as amended by this section, had been in force at all material times when such tax was imposed, assessed, levied or collected.

Validation.

17. Notwithstanding any judgment, decree or order of any Court or authority, anything done or any action taken (including any notification issued) before the commencement of this Act, not inconsistent with the provisions of the principal Act as amended by this Act, shall be deemed to be, and always to have been, as valid and lawful as if the provisions of this Act had been in force at all material times.

आज्ञा से,

कैलाश नाथ गोयल,

संख्या एस0 टी0-2-2956/दस--6 (17)-76

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश साधारण खंड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1, 1904) की धारा 21 के साथ पठित उत्तर प्रदेश विक्र-कर ऐक्ट, 1948 ई0 (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई0) की धारा 3-क की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन अधिकार का प्रयोग करके राज्यपाल दिनांक 20 मई, 1976 से समय-समय पर तथा संगोष्ठित सरकारी विज्ञप्ति संख्या-एस0 टी0-2-332/दस--1012-71, दिनांक 15 नवम्बर, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :--

संशोधन

उपयुक्त विज्ञप्ति की अनुसूची में, स्तम्भ 2, 3 और 4 के नीचे मद संख्या 26, 32, 39, 62, 89 और 112 के सामने की वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रख दी जायगी :--

क्रम संख्या	माल का विवरण	स्थल जिस पर कर लागेगा	कर की दर
1	2	3	4
26	चेहरा, त्वचा, बाल, नाखून, नैव या भौंह की शोभा या देखभाल के लिये सभी प्रकार की सौन्दर्यवर्धक एवं प्रसाधन सामग्री, किन्तु इसमें साबुन, सेप्टीरेजर ब्लेड, टूथपेस्ट, टूथपाउडर और अन्य संत्रन, टूथब्रश और कुम-कुम सम्मिलित नहीं है।	नि0 ग्रथवा आ0	12 प्रतिशत
32	समस्त विजली का सामान, यंत्र, उपकरण, साधन और समस्त ऐसी वस्तुएं जिनका प्रयोग विद्युत् शक्ति के बिना नहीं हो सकता है और जिसके अन्तर्गत पंखा, प्रतिदीप्त द्यव (जिसके अन्तर्गत इसके स्टार्टर, चोक, फिक्सचर, फिटिंग्स और सम्बद्ध सामान भी हैं), विजली के मृत्तिका पात्र और पोर्सी-लेन और अन्य सम्बद्ध सामान और सहयोगी भाग हैं, जो चाहे पूर्णतः या अंशतः बेचे जाते हैं, किन्तु इसमें विद्युत् शक्ति के जनन, वितरण और पारेषण के लिये अपेक्षित विजली की सज्जा, संयंत्र और उनके सम्बद्ध सामान, इलेक्ट्रिक मोटर और उसके भाग, टार्च, टार्च सेल, टार्च बल्ब, ड्राईसेल बैट्री और फिलामेन्ट लाइटिंग बल्ब सम्मिलित नहीं हैं।	नि0 ग्रथवा आ0	12 प्रतिशत
39	कांच के बने समस्त सामान और वर्तन, किन्तु इसके अन्तर्गत सादा कांच फलक, चश्मे के शीशे, हरीकेन लालटेन की चिमनी, बोतल और गीली, कांच की गुरियां (बीड्स), बिलनिकल सिरिज, थर्मामीटर और कांच के बने वैज्ञानिक यंत्र और उपकरण सम्मिलित नहीं हैं।	नि0 ग्रथवा आ0	12 प्रतिशत
62 (क)	मोटर कार	उपभोक्ता के हाथ विक्री ग्रथवा उपभोक्ता द्वारा क्रय के लिये वित्त व्यवस्था करने वाली क्रय विक्रय कंपनी के हाथ विक्री।	7 प्रतिशत
(ख)	मोटर ट्रक और मोटर बस जिसके अन्तर्गत उनके चैसिस और उन पर लगाई गई मोटर बाडीज भी हैं।	तदेव	9 प्रतिशत
(ग)	सभी मोटर गाड़ियां जिसके अन्तर्गत उनके चैसिस भी हैं, और सभी आकार और डिजाइन की मोटर बाडीज (जिसके अन्तर्गत मोटर कारवां और ट्रैकर भी हैं), चाहे वे चैसिस पर बने हों या अलग से।	तदेव	12 प्रतिशत

1	2	3	4
89	सभी प्रकार की स्प्रीट और स्प्रीटमय शराब, जिसमें मेथाइल अल्कोहल सम्मिलित है, किन्तु देशी शराब सम्मिलित नहीं है और जिसमें संयुक्त प्रांत मोटर स्प्रीट, डीजल आयल तथा अल्कोहल कराधान अधिनियम, 1939 में यथा-परिभाषित अल्कोहल भी सम्मिलित नहीं है।	नि० अथवा आ० 12	प्रतिशत
112	(क) इलेक्ट्रॉनिक का सामान सज्जा, उपकरण और उनके भाग तथा संबद्ध सामान किन्तु इसमें टेलीविजन सेट सम्मिलित नहीं हैं।	नि० अथवा आ० 12	प्रतिशत
	(ख) टेलीविजन सेट	नि० अथवा आ० 7	प्रतिशत

संख्या एस० टी० 2-2957/दस-6(17)-76

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश साधारण खंड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1, 1904) की धारा 21 के साथ पठित उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई० (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई०) की धारा 3-ह की उपधारा (2-क) के प्रतिबन्धात्मक खंड के अधीन अधिकार का प्रयोग करके राज्यपाल, दिनांक 20 मई, 1976 से, समय-समय पर यथासंशोधित सरकारी विज्ञप्ति संख्या एस० टी० 2-4949/दस-10 (2)-74, दिनांक 30 मई, 1975 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

संशोधन

उपर्युक्त विज्ञप्ति की अनुसूची में, क्रम संख्या 30 के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या बढ़ा दी जायगी, अर्थात्—

क्रम संख्या	माल का विवरण	स्थल जिस पर कर लगेगा	कर की दर
1	2	3	4
31	नक्शे, शैक्षिक रेखा चित्र (चार्ट), उपकरणिका बक्स (इंस्ट्रुमेंट बक्स), छात्रों द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले शैक्षिक ग्लोब और उपकरणिकायें जैसे यांत्रिक उद्देख (मैकैनिकल ड्राइंग) और जीव-विज्ञान में प्रयोग की जाने वाली उपकरणिकायें।	नि० अथवा आ० 3	प्रतिशत

संख्या-एस० टी० 2-2958/दस--9(1)-76

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश साधारण खंड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1, 1904) की धारा 21 के साथ पठित उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई० (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई०) की धारा 4-ख के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके तथा समय-समय पर यथा-संशोधित सरकारी विज्ञप्ति संख्या एस० टी० 2-4938/दस-10 (2)-74, दिनांक 30 मई, 1975 का अतिक्रमण करके राज्यपाल यह आदेश देते हैं कि इस विज्ञप्ति के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से, और उक्त धारा 4-ख में विनिर्दिष्ट शर्तों तथा निर्वन्धनों के अधीन रहते हुए,—

(1) किसी नई इकाई द्वारा परिशिष्ट 1 में उल्लिखित माल के निर्माण अथवा निर्मित माल की पैकिंग में उपयोग के लिये अपेक्षित, किसी 'कच्चे माल' के संबंध में इकाई को की गई बिक्री या, यथास्थिति, उसके द्वारा किये गये क्रय पर, यदि नई इकाई परिशिष्ट 2 में उल्लिखित जिलों में स्थापित की जाय तो उत्पादन आरम्भ करने के दिनांक से पांच वर्ष की अवधि के लिये, और यदि वह राज्य के अन्य जिलों में स्थापित की जाय तो ऐसे दिनांक से तीन वर्ष की अवधि के लिए, कोई कर देय नहीं होगा;

प्रतिबन्ध यह है कि उत्पादन आरम्भ करने का दिनांक 1 जनवरी, 1979 के बाद न पड़ता हो;

(2) किसी इकाई द्वारा परिशिष्ट 3 में उल्लिखित माल के निर्माण अथवा उक्त निर्मित माल की पैकिंग में उपयोग के लिये अपेक्षित किसी 'कच्चे माल' के संबंध में इकाई को की गई बिक्री या, यथास्थिति, उसके द्वारा किये गये क्रय पर कोई कर देय नहीं होगा;

(3) उपर्युक्त खंड (1) तथा (2) में उल्लिखित इकाई से भिन्न किसी इकाई के संबंध में, किन्तु जिसके अन्तर्गत आसवनी और यवासवनी तथा कागज, कत्था, दियासलाई, दियासलाई की खाली डिब्बियां, दियासलाई की तीलियां तथा दियासलाई शल्कल (मच विनियर) बनाने में लगी इकाइयां नहीं हैं, उसके द्वारा

निमित्त किसी माल के निर्माण अथवा उक्त निमित्त माल की पैकिंग में उपयोग के लिये अपेक्षित, 'कच्चेमाल' की उसको बिक्री या, यथास्थिति, उसके द्वारा किये गये क्रय पर कर नीचे इंगित रियायती दर पर, जिसमें 1948 ई० के उक्त ऐक्ट की धारा 3-च के अधीन देय अतिरिक्त कर भी, यदि कोई हो, सम्मिलित है, लगाया जायगा:—

(क) केंद्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 (अधिनियम संख्या 74, 1956)	
की धारा 14 में यथा-परिभाषित तिलहन	2 प्रतिशत
(ख) खली	3 प्रतिशत
(ग) कोई अन्य 'कच्चा माल'	4 प्रतिशत

प्रतिबन्ध यह है कि यदि इकाई द्वारा निमित्त माल पर 1948 ई० के उक्त ऐक्ट के अधीन किसी भी स्तर पर कर देय न हो तो इस विज्ञप्ति के अधीन कोई रियायत अनुमन्य न होगी।

स्पष्टीकरण:—(1) 'नई इकाई' का तात्पर्य किसी ऐसे कारखाने या कर्मशाला से है जिसमें ऐसी मशीन, उप साधनों या संघटक पुर्जों का प्रयोग होता हो तो उत्तर प्रदेश में किसी अन्य कारखाने या कर्मशाला में पहले से ही प्रयोग में न लाये गये हों अथवा न उसमें प्रयोग के लिये अर्जित किये गये हों किन्तु इसके अन्तर्गत वही माल निर्माण करने वाले किसी वर्तमान कारखाने या कर्मशाला के स्थल पर स्थापित कोई कारखाना या कर्मशाला या किसी वर्तमान कारखाने या कर्मशाला का कोई परिवर्द्धन या प्रसार सम्मिलित नहीं है।

(2) 'उत्पादन आरम्भ करने का दिनांक' का तात्पर्य उस दिनांक से है जब विज्ञापित माल के निर्माण में या उसकी पैकिंग में उपयोग में लाने के लिये अपेक्षित कोई कच्चा माल पहली बार क्रय किया जाय।

परिशिष्ट 1

खंड (1) में निर्दिष्ट विज्ञापित माल की सूची

- 1 आयल इंजिन तथा आयल एक्सपेलर
- 2 पावर टिलर
- 3 पोली प्रापीलीन फिलामेन्ट्स
- 4 रिफ्रिजरेटरी
- 5 स्टोरेज बैटरी
- 6 रेडियो
- 7 फोनोग्राम
- 8 टेलीविजन सेट
- 8 स्विचगियर (बिजली)
- 10 प्लास्टिक से बनी वस्तुएं
- 11 अस्पताल संबंधी साज-सामान, शल्योपकरण, सुई और तिरिन
- 12 वैज्ञानिक, वृत्तिक, मापन तथा प्रक्रिया नियंत्रण उपकरणिका
- 13 टायर तथा ट्यूब
- 14 7.5 कि० बा० रेडिंग्स से अधिक के बिजली के मोटर
- 15 रसायन जिसके अन्तर्गत औद्योगिक विस्फोटक, नाइट्रिक एसिड, सल्फ्यूरिक एसिड, टिकाक ब्लीचिंग पाउडर भी हैं।
- 16 सुगंधियां (परफ्यूमरी)
- 17 चीनी मिट्टी के बर्तन
- 18 सिलाई मशीन की सुई
- 19 सिलाई मशीन
- 20 ट्रांसफार्मर
- 21 10 से०मी० × 10 से०मी० से बड़े आकार के भारी पंप
- 22 इलेक्ट्रोनिक इक्विपमेंट
- 23 पंप तथा कम्प्रेसर
- 24 साबुन तथा अन्य कृत्रिम अपमार्जक (सिन्थेटिक डिटरजेंट्स)
- 25 ब्वायल्ड तथा स्टैन्ड आयल, सिन्थेटिक रेजिन और प्रिंटिंग इंक

- 26 फैंटी एसिड, स्टियरिक एसिड तथा आयलिक एसिड
- 27 शोषण तेल उत्पाद (ड्राइंग आयल प्रोडक्ट्स) अर्थात् लिनोलियम तथा आबल कलाक
- 28 स्नेहक (लुब्रीकेन्ट) तथा ग्रीज
- 29 स्कूटर

परिशिष्ट 2

जिलों की सूची

- | | |
|---------------|-----------------|
| 1 अलमोड़ा | 23 जोनपुर |
| 2 आजमगढ़ | 24 झांसी |
| 3 बहराइच | 25 ललितपुर |
| 4 बलिया | 26 मैनपुरी |
| 5 बांदा | 27 मथुरा |
| 6 बाराबंकी | 28 मुरादाबाद |
| 7 बस्ती | 29 पीलीभीत |
| 8 बदायूँ | 30 पिथौरागढ़ |
| 9 बुलन्दशहर | 31 प्रतापगढ़ |
| 10 चमोली | 32 रायबरेली |
| 11 देवरिया | 33 रामपुर |
| 12 एटा | 34 शाहजहाँपुर |
| 13 इटावा | 35 सीतापुर |
| 14 फैजाबाद | 36 सुल्तानपुर |
| 15 फर्रुखाबाद | 37 देहली-गढ़वाल |
| 16 फतेहपुर | 38 उन्नाव |
| 17 गढ़वाल | 39 उत्तरकाशी |
| 18 गाजीपुर | |
| 19 गोंडा | |
| 20 हमीरपुर | |
| 21 हरदोई | |
| 22 जालौन | |

परिशिष्ट 3

खंड (2) में निर्दिष्ट विन्यासित माल की सूची

- 1 बाईसिकिल, ट्राईसिकिल, पैराम्बुलेटर, और उनके सहायक पुर्जें तथा भाग ।
- 2 कांच और कांच का सामान, जिसमें सभी आकार का चश्मों का कांच भी सम्मिलित है ।
- 3 विलायक निस्सारण प्रक्रिया (साल्वेट एक्सट्रैक्शन प्रोसेस) द्वारा निकाला गया तेल ।
- 4 सभी प्रकार का पैकिंग का सामान, जिसमें पेटियां और कन्टेनर भी सम्मिलित है ।
- 5 रबर और रबर के उत्पाद ।
- 6 पेंसिलें ।
- 7 पेन्ट, वारनिश, एनामेल, थिनर और सम्बद्ध सतही लप उत्पाद और उसके संघटक ।
- 8 विट्रियस (कांचीय) एनामल-उत्पाद ।
- 9 प्रेशर कुकर और उनके भाग ।
- 10 खेल कूद का सामान जिसके अन्तर्गत खेलकूद के जूते और प्लेफील्ड तथा जिमनाशियम उपकरण भी सम्मिलित है ।
- 11 केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 (अधिनियम संख्या 74, 1956) की धारा 14 में यथा परिभाषित लोहा तथा इस्पात ।

संख्या-एस0टी0-2-3005/दस--1035(20)-74

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश साधारण खंड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1, 1904) की धारा 21 के साथ पठित उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई0 (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई0) की धारा 4 के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके, राज्यपाल इस विज्ञप्ति के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से सरकारी विज्ञप्ति संख्या एस0टी0-2-6623/दस--1012-1972, दिनांक 1 दिसम्बर, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:--

संशोधन

उपर्युक्त विज्ञप्ति में मद (1) और (2) के स्थान पर निम्नलिखित रख दिया जायेगा, अर्थात् "पुस्तकें और पत्रिकाएँ"।

संख्या-एस0 टी0-2-3006/दस--1035(20)-74

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1, 1904) की धारा 21 के साथ पठित उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई0 (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई0) की धारा 3-क की उप-धारा (2-क) के प्रतिबन्धात्मक खण्ड के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके, राज्यपाल--

इस विज्ञप्ति के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से, सरकारी विज्ञप्ति संख्या-एस0 टी0-2-6624/दस-1012-1972, दिनांक 1 दिसम्बर, 1973 को अतिरिक्त करते हैं; और

यह आदेश देते हैं कि, उपरोक्त दिनांक से, निम्नांकित सूची के स्तम्भ-2 में उल्लिखित माल के सम्बन्ध में विक्रय धन पर, उसके निर्माता अथवा आयातकर्ता द्वारा बिक्री के स्थल पर, उक्त सूची के स्तम्भ-3 में प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट घटाई गई दर पर कर देय होगा :

सूची

क्रम-संख्या	माल का विवरण	कर की दर
1	2	3
1-पोलीएस्टर स्टेपिल फाइबर	2 प्रतिशत
2-नैप्या	5 प्रतिशत
3-कापियां (Exercise Books)	5 प्रतिशत

संख्या-एस0 टी0-2-3007/दस--1035(20)-74

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई0 (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई0) की धारा 4-ख के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके राज्यपाल आदेश देते हैं कि, इस विज्ञप्ति के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से और उपर्युक्त धारा में विनिर्दिष्ट शर्तों और निर्बंधनों के अधीन रहते हुए, किसी ऐसे व्यापारी द्वारा, जिसके पास माप्यता का प्रमाण पत्र हो, कापियां बनाने में या उसके द्वारा बनाई गई कापियों को बेक करने में प्रयोग के लिए उनके द्वारा अश्वित 'कच्चे माल' के सम्बन्ध में बिक्रय या, यथास्थिति, क्रय पर कोई कर देय नहीं होगा।

संख्या एस0 टी0-2-9251/दस--5(1)-73

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई0 (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई0) की धारा 4 के अधीन अधिकार का प्रयोग करके राज्यपाल आदेश देते हैं कि इस विज्ञप्ति के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से किसी व्यापारी द्वारा--

(1) भूटान सरकार या

(2) हिज मैजिस्ट्री भूटान नरेश या भूटान राज परिवार के किसी सदस्य, या

- (3) भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल (इण्डियन मिलिटरी ट्रेनिंग टीम), भूटान या दन्तक प्रोजेक्ट, भूटान या
- (4) भूटान में भारतीय प्रतिनिधि या सीमान्त सड़क संगठन (बार्डर रोड आर्गनाइजेशन), या
- (5) भूटान में किसी व्यापारी या शासनेतर व्यक्ति को।

भूटान में उसके उपयोग या पुनः बिक्री के लिए किसी माल की बिक्री पर उक्त ऐक्ट के अधीन इस शर्त पर कोई कर देय नहीं होगा कि व्यापारी नीचे उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित और सरकारी मुहर से प्रमाणित इस आशय का प्रमाण-पत्र कर निर्धारक अधिकारी को प्रस्तुत करे कि माल भूटान को निर्यात करने और वहां पर उपयोग के लिए है और वह भूटान के राज्य क्षेत्र में वास्तव में पहुंच गया है :—

(1) भूटान सरकार, हिज में जेस्टी भूटान नरेश या भूटान राज परिवार के किसी सदस्य को की गयी बिक्री की स्थिति में, भूटान सरकार के किसी आयुक्त, उप आयुक्त या परगना अधिकारी द्वारा या निदेशक, राज्य व्यापार निगम, भूटान, या मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, भूटान सरकार या वित्त मंत्री, भूटान सरकार द्वारा;

(2) दन्तक प्रोजेक्ट को की गयी बिक्री की स्थिति में, मुख्य अभियन्ता, दन्तक या उसके द्वारा इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप से नाम-निर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी द्वारा;

(3) भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल को की गयी बिक्री की स्थिति में, कमान्डेन्ट, आई० एम० टी० आर० ए० टी० या उसके द्वारा इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप से नाम-निर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी द्वारा; और

(4) किसी अन्य बिक्री के सम्बन्ध में, वित्त मंत्री, भूटान सरकार या परगना अधिकारी, भूटान सरकार, फन्टशोलिंग या भूटान में भारतीय प्रतिनिधि द्वारा नाम-निर्दिष्ट उसके कार्यालय के किसी अधिकारी द्वारा।

संख्या-एस० टी०-2-870/दस--11(11)-75

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई० (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई०) की धारा 4 के खण्ड (ख) के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके राज्यपाल आदेश देते हैं कि दिनांक 1 अप्रैल, 1976 से, लिब्वतन वीमेन्स सेन्टर, देहरादून द्वारा किसी माल की बिक्री पर, चार वर्ष की अवधि के लिए उक्त ऐक्ट के अधीन कोई कर देय नहीं होगा।

संख्या-एस० टी०-2-2959/दस--11(33)-73

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट, 1948 ई० (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948 ई०) की धारा 4 के खण्ड (ख) के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके राज्यपाल आदेश देते हैं कि, दिनांक 1 जून, 1976 से, किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा बारदाना (पैक करने की सामग्री) और कन्टेनर के विक्रय-धन पर कोई कर नहीं देय होगा, जो केवल उपर्युक्त ऐक्ट के अधीन कर-मुक्त घोषित माल का संव्यवहार करता है किन्तु अपने मुख्य कारबार के केवल आनुषंगिक रूप में पैक करने की सामग्री और कन्टेनर बेचता है।

संख्या-एस० टी०-2-2960/दस--900(30)-70

लखनऊ, 20 मई, 1976

उत्तर प्रदेश बिक्री-कर ऐक्ट 1948 ई० (उत्तर प्रदेश ऐक्ट संख्या 15, 1948) की धारा 4 के खण्ड (ख) के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके राज्यपाल यह आदेश देते हैं कि दिनांक 1 जून, 1976 से उत्तर प्रदेश में सरकारी कोषागारों और उप-कोषागारों द्वारा "वाटर मार्क कागज" की बिक्री पर उक्त ऐक्ट के अधीन कोई कर देय नहीं होगा।

No. ST-II-2956/X-6 (17)-76

Dated Lucknow, May 20, 1976

IN exercise of the powers under clause (b) of sub-section (1) of section 3A of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), read with section 21 of the U. P. General Clauses Act, 1904 (U. P. Act no. I of 1904), the Governor is pleased to make, with effect from May, 20, 1976, the following amendment in Government notification no. ST-II-332/X-1012-1971, dated November 15, 1971 as amended from time to time :

Amendment

IN the Schedule to the aforesaid notification, for the existing entries under columns II, III and IV against items 26, 32, 39, 62, 89 and 112, the following entries shall be substituted :

I	II	III	IV
26.	All kinds of cosmetics and toilet preparations for beautification or care of the face, skin, hair, nails, eyes or brows but not including soaps, safety razor blades, tooth pastes, tooth powders and other dentifrices, tooth brushes and Kum-Kum.	M or I	12 per cent
32.	All electrical goods, instruments, apparatus, appliances and all such articles the use of which cannot be had except with the application of electrical energy, including fans, fluorescent tubes (including their starters, chokes, fixtures, fittings and accessories), electrical earthenware and porcelain and all other accessories and component parts, whether sold as a whole or in parts, but excluding electrical equipment, plant and their accessories required for generation, distribution and transmission of electrical energy, electric motors and parts thereof, torches, torch-cells, torch bulbs, dry cell batteries and filament lighting bulbs.	M or I	12 per cent
39.	All goods and wares made of glass, but not including plain glass-panes, optical lenses, hurricane lantern chimneys, bottles and phials, glass-beads, clinical syringes, thermometers, and scientific apparatus and instruments made of glass.	M or I	12 per cent
62.	(a) Motor Car	Sale to consumer	7 per cent
	(b) Motor trucks and motor buses, including their chassis and motor bodies built thereon.	or Hire purchase company financing the purchase by the consumer	9 per cent
	(c) All other motor vehicles including their chassis and motor bodies of all shapes and designs (including motor caravans and tankers), whether built on chassis or separately.	Ditto	12 per cent

I	II	III	IV
89.	Spirits and spirituous liquors of all kinds, including methyl alcohol, but excluding country liquor and also excluding alcohol as defined in the United Provinces Sales of Motor Spirit, Diesel Oil and Alcohol Taxation Act, 1939.	M or I	12 per cent.
112.	(a) Electronic goods, equipments, appliances, and parts and accessories thereof, but not including Television sets.	M or I	12 per cent.
	(b) Television sets.	M or I	7 per cent.

No. ST-II-2957/X-6 (17)-76

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under the proviso to sub-section (2-A) of section 3-A of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), read with section 21 of the U. P. General Clauses Act, 1904 (U. P. Act no. I of 1904), the Governor is pleased to make, with effect from May 20, 1976, the following amendment in Government notification no. ST-II-4949/X-10 (2)-74, dated May 30, 1975, as amended from time to time :

Amendment

In the Schedule to the aforesaid notification, after serial no. 30, the following serial shall be inserted, namely :

Serial no.	Description of goods	point at which tax shall be levied	Rate of tax
I	II	III	IV
31.	Maps, educational Charts, instrument boxes, educational globes and instruments, such as instruments used in mechanical drawing and biology, used by students.	M or I	3 per cent.

No. ST-II-2958/X-9 (1)-76

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under section 4-B of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), read with section 21 of the U. P. General Clauses Act, 1904 (U. P. Act no. I of 1904), and in supersession of Government notification no. ST-II-4938/X-10 (2)-74, dated May 30, 1975, as amended from time to time, the Governor is pleased to order that, with effect from the date of publication of this notification in the *Gazette*, and subject to the conditions and restrictions specified in the said section 4-B,—

(1) no tax shall be payable on the sale to or, as the case may be, purchase by a 'new unit' in respect of raw materials, required by it for use in the manufacture of the goods mentioned in Annexure I or for the packing of the said goods manufactured by it, for a period of five years from the date of starting production, if the new unit is established in the districts mentioned in Annexure II and for a period of three years from such date if it is established in the remaining districts of the State :

Provided that the date of starting production does not fall later than the first day of January, 1971 ;

(2) no tax shall be payable on the sale to or, as the case may be, purchase by any unit in respect of 'raw materials' required by it for use in the manufacture of the goods mentioned in Annexure III or for the packing of the said goods manufactured by it ;

(3) in the case of any unit other than those referred to in clauses (1) and (2) above, but not including Distilleries and Breweries and units engaged in the manufacture of paper, catechu (Kattha), Matches, empty match-boxes, match-splints and match-veneers, tax shall be leviable on the sale to or, as the case may be, purchase by the said units of "raw materials" acquired by it for the manufacture or packing of goods manufactured by it at the concessional rates, inclusive of additional tax, if any, payable under section 3-F of the said Act of 1948, indicated below :-

- | | |
|---|------------|
| (a) Oilseeds as defined in section 14 of the Central Sales tax Act, 1956 (Act 74 of 1956) | 2 per cent |
| (b) Oil Cake | 3 per cent |
| (c) Any other 'raw material' | 4 per cent |

Provided that no concession under this notification shall be admissible if the goods manufactured by the unit are not liable to tax at any stage under the said Act of 1948.

Explanations—(1) 'New unit' means a factory or workshop using machinery or accessories or components thereof, not already used or acquired for use in any other factory or workshop in Uttar Pradesh but does not include any factory or workshop established on the site of an existing factory or workshop manufacturing the same goods or any addition to or extension of an existing factory or workshop.

(2) 'Date of starting production' means the date on which any raw material required for use in the manufacture or packing of the notified goods is purchased for the first time.

ANNEXURE I

List of Notified goods referred to in clause (1)

1. Oil Engines and Oil Expellers
2. Power tillers
3. Poly Propylene filaments
4. Reractories
5. Storage Batteries
6. Radios
7. Phonograms
8. Television Sets
9. Switch-gears (Electric)
10. Plastic Products
11. Hospital Equipment and Surgical instruments, needles, and syringes.
12. Scientific, professional, measuring and process control instruments
13. Tyres and Tubes
14. Electric motors of more than 7.5 kw rating
15. Chemicals, including industrial explosives, nitric acid, sulphuric acid, stable bleaching powder.
16. Perfumery
17. China Potteries
18. Sewing machine needles
19. Sewing machines
20. Transformers
21. Heavy pumps of sizes above 10 cm. × 10 cm.
22. Electric Equipment
23. Pumps and Compressors
24. Soap and other synthetic detergents

25. Boiled and stand oils, synthetic resins and printing inks
26. Fatty acids, stearic acid and oleic acid
27. Drying oil Products, viz. linoleum and oil-cloth
28. Lubricants and greases
29. Scooters.

ANNEXURE II

List of districts

- | | |
|-----------------|-------------------|
| 1. Almora | 21. Hardoi |
| 2. Azamgarh | 22. Jalaun |
| 3. Bahraich | 23. Jaunpur |
| 4. Ballia | 24. Jhansi |
| 5. Banda | 25. Lalitpur |
| 6. Bara Banki | 26. Mainpuri |
| 7. Basti | 27. Mathura |
| 8. Badaun | 28. Moradabad |
| 9. Bulandshahr | 29. Pilibhit |
| 10. Chamoli | 30. Pithoragarh |
| 11. Deoria | 31. Pratapgarh |
| 12. Etah | 32. Rae Bareli |
| 13. Etawah | 33. Rampur |
| 14. Faizabad | 34. Shahjahanpur |
| 15. Farrukhabad | 35. Sitapur |
| 16. Fatehpur | 36. Sultanpur |
| 17. Garhwal | 37. Tehri Garhwal |
| 18. Ghazipur | 38. Unnao |
| 19. Gonda | 39. Uttarkashi. |
| 20. Hamirpur | |

ANNEXURE III

List of Notified goods referred to in clause (2)

1. Bicycles, tricycles, perambulators and accessories and parts thereof
2. Glass and glass-ware including optical glass in all forms.
3. Oils extracted by solvent extraction process.
4. All kinds of packing materials including cases and containers
5. Rubber and rubber products
6. Pencils
7. Paints varnishes, enamels, thinners and allied surface coating products and constituents thereof.
8. Vitreous enamelled products
9. Pressure Cookers and parts thereof
10. Sports goods including sports shoes and playfield and gymnasium equipment.
11. Iron and Steel as defined in section 14 of the Central Sales Tax Act, 1956.

No. ST-2-3005/X-1035 (20) /74

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under section 4 of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), read with section 21 of the U. P. General Clauses Act, 1904 (U. P. Act no. 1 of 1904), the Governor is pleased to make, with effect from the date of publication of this notification in the *Gazette*, the following amendment in Government notification no. ST-2-6623/X-1012-72, dated December 1, 1973 :—

Amendment

In the aforesaid notification, for items (i) and (ii), the following shall be substituted namely :—"Books and Magazines."

No. ST-2-8006/X-1035 (20) -74

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under the proviso to sub-section (2-A) of section 3-A of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no XV of 1948), read with section 21 of the U. P. General Clauses Act, 1904 (U. P. Act no. I of 1904), the Governor is pleased—

to supersede, with effect from the date of publication of this notification in the *Gazette*, Government notification no. ST-2-6624/X-1012-1972, dated December 1, 1973; and

to order that, with effect from the aforesaid date, the turnover in respect of the goods mentioned in Column II of the List below shall be liable to tax at the point of sale by the manufacturer or importer thereof at the reduced rate specified against each in column III of the said List :—

LIST

Serial No	Discription of goods	Rate of Tax
1	2	3
1.	Polyester Staple fibre	2 per cent
2.	Naptha	5 per cent
3.	Exercise Books	5 per cent

No. ST-2-3007/X-1035 (20) -74

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under section 4-B of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), the Governor is pleased to order that, with effect from the date of publication of this notification in the *Gazette* and subject to the conditions and restrictions specified in the aforesaid section, no tax shall be payable on the sale to or, as the case may be, purchase by a dealer holding a recognition certificate in respect of raw materials required by him for use in the manufacture or packing of exercise books manufactured by him.

No. ST-2-9251/X-5 (1) -73

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under section 4 of the Uttar Pradesh Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), the Governor is pleased to order that, with effect from the date of publication of this notification in the *Gazette*, no tax under the said Act shall be payable by a dealer on his sales of any goods to the—

- (1) Government of Bhutan, or
- (2) His Majesty the King of Bhutan or a member of the Bhutan Royal Family, or
- (3) Indian Military Training Team, Bhutan or the Dantak Project, Bhutan, or
- (4) the Representative of India in Bhutan or the Border Roads Organisation, or
- (5) any dealer or private individual resident in Bhutan, or their use or for resale in Bhutan, on the condition that the dealer furnishes to the assessing authority a certificate, duly signed and certified under the official seal by the authorities mentioned below, to the effect that the goods are for export to and use in Bhutan and have actually entered into the territories of Bhutan :—

(1) in the case of sales made to the Government of Bhutan, His Majesty the King of Bhutan or to a member of the Bhutan Royal famil,

by a Commissioner, Deputy Commissioner or Sub-Divisional Officer of the Government of Bhutan, or by the Director, State Trading Corporation of Bhutan, or by the Chief Engineer, Public Works Department, Government of Bhutan, or by the Finance Minister, Government of Bhutan ;

(2) in the case of sales made to Dantak Project, by the Chief Engineer, Dantak or any officer specifically nominated by him for this purpose ;

(3) in the case of sales made to Indian Military Training Team, by the Commandant, IMTRAT, or any other officer specifically nominated by him for this purpose ; and

(4) in respect of any other sales, by the Finance Minister, Government Bhutan, or by the Sub-Divisional Officer, Government of Bhutan, Phuntsholing, or by an officer of the office of the Representative of India in Bhutan nominated by the said Representative.

No. ST-2-870/X-11 (11)-75

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under clause (b) of section 4 of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), the Governor is pleased to order that, with effect from April 1, 1976, no tax under the said Act shall be payable for a period of four years on the sale of any goods by Tibetan Women's Centre, Dehra Dun.

No. ST-II-2959/X-11 (33)-73

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under clause (b) of section 4 of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), the Governor is pleased to order that, with effect from June 1, 1976, no tax shall be payable on the turnover of sales of Bardana (packing material) and containers by a person who deals exclusively in goods declared tax-free under the aforesaid Act, but sells packing materials and containers only as incidental to his main business.

No. ST-II-2960/X-900 (30)-70

Dated Lucknow, May 20, 1976

In exercise of the powers under clause (b) of section 4 of the U. P. Sales Tax Act, 1948 (U. P. Act no. XV of 1948), the Governor is pleased to order that, with effect from June 1, 1976, no tax under the said Act shall be payable on the sale of "Water Mark Paper" by Government Treasuries and Sub-Treasuries in Uttar Pradesh.

आज्ञा से,
 नृपि कुमार कौल,
 वित्त सचिव ।